विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम                    दिनांक -08- 09 -   2021

विषय -हिन्दी                    विषय शिक्षक - पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

## सुप्रभात बच्चों आज सयुंक्त व्यंजन के बारे में    अध्ययन करेंगे

# सयुंक्त व्यंजन किसे कहते हैं – सयुंक्त अक्षर किसे कहते हैं

**सयुंक्त व्यंजन एक प्रकार के व्यंजन हैं. जो दो या दो से अधिक व्यंजनों से मिलकर बने होते हैं. सयुंक्त व्यंजन में पहला वर्ण हमेशा व्यंजन होता हैं. वही दूसरा वर्ण हमेशा स्वर सहित होता हैं**

# सयुंक्त व्यंजन कितने होते हैं?

**हिंदी भाषा की वर्णमाला में कुल चार संयुक्त व्यंजन मौजूद हैं. यह चार सयुंक्त व्यंजन निम्नलिखित हैं:**

**क्ष, त्र, ज्ञ और श्र हैं. यह चार सयुंक्त व्यंजन निम्न अनुसार व्यंजनों से मिलकर बने हैं.**

**क्ष = क् + ष + अ**

**त्र = त् + र् + अ**

**ज्ञ = ज् + ञ + अ**

**श्र = श् + र् + अ**

# सयुंक्त व्यंजन के उदाहरण

**क्ष = क्षत्रिय, क्षार, कक्षा, भिक्षा, परीक्षा, अक्षर, क्षमा, यक्ष, अध्यक्ष, निरक्षक इत्यादि.**

**त्र = चित्र, मन्त्र, तंत्र, यंत्र, गोत्र, त्रिशूल, त्रिमाही, षड्यंत्र, एकत्रित, त्रुटी, सर्वत्र, कृत्रिम इत्यादि.**

**ज्ञ  = ज्ञान, यज्ञ, विज्ञान, जिज्ञासा, विशेषज्ञ, अज्ञान, विज्ञापन, अनभिज्ञ इत्यादि.**

**श्र = श्रद्दा, श्रदांजलि, श्रवण, श्रीमान, श्रीमती, श्राप, आश्रम, श्रमिक, मिश्रण, श्रृंखला, परिश्रम, विश्राम इत्यादि.**